२) श्रोता का परिचय दीजिये |
उत्तर: श्रोता एक पौराणिक पात्र हैं, उनका नाम नारद मुनि है | उन्हें देवताओं का ऋषि माना जाता है | उनमें यह सामर्थ्य है कि वे तीनों लोकों में कहीं भी घूम सकते हैं | देवता संकट के अवसर पर उनकी सहायता लेते रहते हैं | यमराज भी भोलाराम के जीव को खोज न पाने के कारण संकट में थे, इसलिए उन्होंने नारद मुनि से प्रार्थना की कि वो उनकी सहायता करें | नारद मुनि को इस वजह से धरती पर आना पड़ा था |

३) श्रोता किस उद्देश्य से आया है ?
उत्तर: श्रोता नारद मुनि देवताओं के ऋषि है जो संकट में देवताओं की सहायता करते रहते हैं | यमराज भी भोलाराम के जीव को खोज न पाने के कारण संकट में थे, इसलिए उन्होंने नारद मुनि से प्रार्थना की कि वो उनकी सहायता करें | नारद मुनि भोलाराम के जीव को खोजने के लिए यमराज से उसके घर का पता लेकर आए थे |

४) श्रोता को भोलाराम के विषय में क्या पता चलता है ?
उत्तर: श्रोता को पता चलता है कि भोलाराम की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी | पाँच वर्ष पहले वो अपने काम से रिटायर हो चुके थे पर अब तक उन्हें पेंशन मिलनी शुरू नहीं हुई थी | उन्होंने पेंशन पाने के लिए बहुत दरख्वास्त दिए पर रिश्वत न दे पाने के कारण कोई फायदा नहीं हुआ | पाँच वर्षों में उसकी बीवी के सारे गहने बिक गए, घर के बर्तन बिक गए | अंत में चिंता और भूख के कारण भोलाराम की मृत्यु हो गयी |

घ) "साधुओं की बात कौन मानता है ? मेरा यहाँ कोई

Scanned with CamScanner

भोलाराम का जीव (Bholaram ka jeev)

लेखक : हरिशंकर परसाई

क) "महाराज वह भी लापता है |"
१) कौन लापता है और कितने दिनों से ?
उत्तर: धर्मराज ने एक यमदूत को भोलाराम के जीव को पकड़ के लाने के लिए धरती पर भेजा था | भोलाराम को शरीर छोड़े पाँच दिन हो गए थे पर यमदूत भोलाराम के जीव को पकड़ कर यमलोक नहीं लाया था | वह पाँच दिन से लापता था |

२) यमदूत की हालत कैसी हो गयी थी ?
उत्तर: धर्मराज ने एक यमदूत को भोलाराम के जीव को पकड़ के लाने के लिए धरती पर भेजा था | भोलाराम को शरीर छोड़े पाँच दिन हो गए थे पर यमदूत भोलाराम के जीव को पकड़ कर यमलोक नहीं लाया था | वह पाँच दिन से गायब था | जब वह यमलोक पहुँचा तो बदहवास-सा नजर आ रहा था | उसका मौलिक कुरूप चेहरा परिश्रम, परेशानी और भय के कारण और भी विकृत हो गया था | उसके साथ भोलाराम का जीव भी नहीं था |

३) धर्मराज क्यों परेशान थे ?
उत्तर: धर्मराज ने एक यमदूत को भोलाराम के जीव को पकड़ के लाने के लिए धरती पर भेजा था | भोलाराम को शरीर छोड़े पाँच दिन हो गए थे और वह यमदूत के साथ यमलोक में आने के लिए रवाना हो चुका था पर अभी तक पहुँचा नहीं था | यमदूत भी उस दिन से लापता था | धर्मराज लाखों वर्षों से असंख्य आदमियों को कर्म तथा

Scanned with CamScanner

४) यमदूत भोलाराम के जीव को साथ क्यों नहीं ला पाया था ?

उत्तर: भोलाराम ने जैसे ही देह त्यागी, यमदूत ने उसे पकड़ा और यमलोक की यात्रा आरम्भ की | नगर के बाहर ज्यों ही उसे लेकर यमदूत एक तीव्र वायु तरंग पर सवार हुआ, त्यों ही भोलाराम उसके चंगुल से छूटकर न जाने कहाँ गायब हो गया | यमदूत ने पाँच दिनों तक पूरा ब्रह्माण्ड छान मारा पर भोलाराम के जीव का कहीं पता नहीं चला | इसलिए यमदूत अपने साथ उसे नहीं ला पाया |

ख) "क्या नरक में निवास स्थान की समस्या अभी हल नहीं हुई है ?"

१) नरक में निवास स्थान की समस्या कैसे हल हुई ?

उत्तर: नरक में पिछले कुछ सालों में बड़े गुणी कारीगर आ गए थे | कई इमारत के ठेकेदार हैं, जिन्होंने धरती पर पूरे पैसे लेकर रद्दी इमारतें बनायीं थी | बड़े-बड़े इंजीनियर भी आ गए थे, जिन्होंने ठेकेदारों के साथ मिलकर पंचवर्षीय योजनाओं का पैसा खाया था | ओवेरसियर हैं, जिन्होंने उन मजदूरों की हाजिरी भरकर पैसा हड़पा था, जो कभी काम पर गए ही नहीं | इन लोगों ने बहुत जल्दी नरक में कई इमारतें तान दी हैं | इससे निवास स्थान की समस्या हल हो गयी |

२) भोलाराम के जीव को इनकम टैक्स वाले क्यों नहीं रोकते ?

उत्तर: भोलाराम गरीब व्यक्ति था | भुखमरा था | उसकी कोई इनकम ही नहीं थी तो टैक्स कहाँ से लगता | इस इस बात की कोई संभावना ही नहीं थी कि उसके जीव

Scanned with CamScanner